

## भरलो झोलियाँ | By Kamal Kishore Kavi

खाटू बाबा बड़े निराले सब देवो में भोले भाले  
उंच नीच ना देखे कोई सबको करते प्यार  
भरलो भरलो झोलियाँ आके बाबा के दरबार  
भरलो भरलो झोलियाँ आके खाटू के दरबार

मुखड़ा है भोला भाला सुन्दर है रूप निराला  
मुखड़े पे जाऊं कुर्बान गाऊँ मैं तो तेरा गुणगान  
भरलो भरलो झोलियाँ आके बाबा के दरबार

जो भी आये सच्चे मन से मिलता उसे सहारा  
फागुन में है जिसके दर पे लगता अजब नज़ारा  
जिन्दगी महक जायेगी कर लो फूलों से श्रृंगार  
भरलो भरलो झोलियाँ आके बाबा के दरबार

डम डम ढोल नगाड़े बजते छम छम बजते छैने  
धिनक धिनक दिन भक्त हैं नाचे मस्ती के क्या कहने  
चन्दन का जो तिलक करे तो भर देते भण्डार  
भरलो भरलो झोलियाँ आके बाबा के दरबार

पंचा श्री नाम के प्यारे तू भी जप ले माला  
जय श्री खाटू श्याम है बोले कवी हरयाणे वाला  
सात जनम के पाप करम का सर से उतरे भार  
भरलो भरलो झोलियाँ आके बाबा के दरबार

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ad%e0%a4%b0%e0%a4%b2%e0%a5%8b-%e0%a4%9d%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%81-by-kamal-kishore-kavi/>